विश्व कविता दिवस पर काव्य गोष्ठी आयोजित

गंगरार, 21 मार्च (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में 21 मार्च विश्व कविता दिवस पर मंगलवार को हिंदी विभाग में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

काव्य गोष्ठी का आरंभ साहित्यकारों और अतिथियों द्वारा माँ भारती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. शुभदा पांडे ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग डीन डॉ. चित्रलेखा सिंह ने स्वरचित कविता मैं सुंदर हूँ, में प्रकृति प्रेम को दर्शाया। कवि अब्दुल सत्तार ने संचालन के साथ अपनी रचना मेरे पास माँ है, सुनाई और एक बेटे के लिए मां के मन की स्थिति को दर्शाया।

कवि भरत व्यास ने बसंत ऋतु, के माध्यम से प्रकृति प्रेम को दर्शाया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. शभदा पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त किया और बसंत ऋतु पर आधारित कविता सुनाकर ऋतुओं में बसंत के महत्व को बताया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों व अतिथियों द्वारा विश्व कविता दिवस के महत्व की जानकारी भी दी गयी। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ माँ भारती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया।

Jannayak 22-03-2023

विश्व कविता दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में दिनांक 21 मार्च को विश्व कविता दिवस पर मंगलवार को हिंदी विभाग में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सभी उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों द्वारा माँ भारती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ शुभदा

पांडे ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग डीन डॉ. चित्रलेखा सिंह ने स्वरचित कविता ₹मैं सुंदर हूँ₹ में प्रकृति प्रेम को दशार्या माहौल को खुशनुमा बनाया। फाइन आर्ट विभाग के ब्रांड मैनेजर व कलाकार अमित कुमार चेचानी ने स्वरचित रचना ₹महल के झरोखें से₹ द्वारा इतिहास के पन्नों से एक महल की आत्मकथा को दशार्या जिसे उपस्थित अतिथियों ने सराहा। पेंटिंग विभाग की प्राध्यापक सोराबिता दास ने अपनी रचना 'अमावस्या' में जीवन के अंधकार के बारे में बताया। संगीत विभाग की प्राध्यापक रौशनी कसौधन अपनी कविता 'तितली' तितली की भावना को दशार्या।कवि अब्दुल सत्तार ने संचालन के साथ अपनी रचना ₹मेरे पास माँ है₹ सुनाई और एक बेटे के लिए मां के मन की स्थिति को दशार्या। कवि भरत व्यास ने अपनी कविता ₹बसंत ऋतु₹ के माध्यम से प्रकृति प्रेम को दशार्या। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. शभदा पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त किया और बसंत ऋतु पर आधारित कविता सुनाकर ऋतुओं में बसंत के महत्व को बताया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों व अतिथियों द्वारा विश्व कविता दिवस के महत्व की जानकारी भी दी गयी कि विश्व कविता दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विश्व में कविताओं के लेखन, पठन, प्रकाशन और शिक्षण के लिए नए लेखकों को प्रोत्साहित किया जाए। इसके जरिए छोटे प्रकाशकों के उस प्रयास को भी प्रोत्साहित किया जाता है जिनका प्रकाशन कविता से संबंधित है।

विश्व कविता दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

मेवाड़ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बही कविता की रसधारा

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में 21 मार्च को विश्व कविता दिवस पर मंगलवार को हिंदी विभाग में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सभी उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों द्वारा माँ भारती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ शुभदा पांडे ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष मेवाड़ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग डीन डॉ. चित्रलेखा सिंह ने स्वरचित कविता मैं सुंदर हूँ में प्रकृति प्रेम को दर्शाया माहौल को खुशनुमा बनाया। फाइन आर्ट

विभाग के ब्रांड मैनेजर व कलाकार अमित कुमार चेचानी ने स्वरचित रचना महल के झरोखें से द्वारा इतिहास के पन्नों से एक महल की आत्मकथा को दर्शाया जिसे उपस्थित अतिथियों ने सराहा। पेंटिंग विभाग की प्राध्यापक सोराबिता दास ने अपनी रचना अमावस्या में जीवन के अंधकार के बारे में बताया। संगीत विभाग की प्राध्यापक रौशनी कसौधन अपनी कविता तितली तितली की भावना को दर्शाया। कवि अब्दुल सत्तार ने संचालन के साथ अपनी रचना मेरे पास माँ है सुनाई और एक बेटे के लिए मां के मन की स्थिति को दर्शाया। कवि भरत व्यास ने अपनी कविता बसंत ऋतु के माध्यम से प्रकृति प्रेम को दर्शाया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. शभदा पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त किया और बसंत ऋतु पर आधारित कविता सुनाकर ऋतुओं में बसंत के महत्व को बताया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों व अतिथियों द्वारा विश्व कविता दिवस के महत्व की जानकारी भी दी गयी कि विश्व कविता दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विश्व में कविताओं के लेखन, पठन, प्रकाशन और शिक्षण के लिए नए लेखकों को प्रोत्साहित किया जाए। इसके जरिए छोटे प्रकाशकों के उस प्रयास को भी प्रोत्साहित किया जाता है जिनका प्रकाशन कविता से संबंधित है।